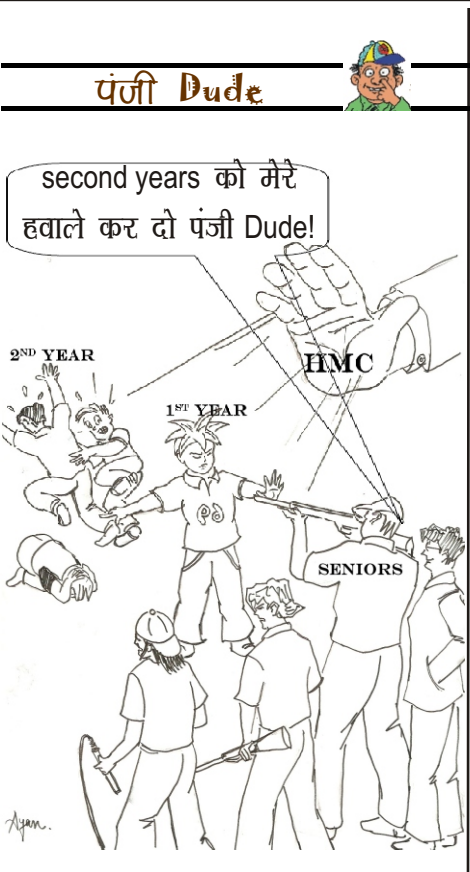




अप्रैल 2008



फाइनल इयर विशेषांक

अन्दर देखिए :

यादों का सफर

पृष्ठ 5

सर्वे भवन्तु सुखिनः

NGO's पर हमारा विशेष

पृष्ठ 9



पृष्ठ 3

पहल - SBI

पृष्ठ 4

38 कम्पनियाँ 25 पेटेंट...IndAc 08

IIT-KGP के छात्रों द्वारा उठाया गया

कदम TTG का प्रथम तकनीकी

प्रदर्शन(technology-exposition)

IndAc'08 5-6 मई को विक्रमशिला

में रिकॉर्ड तोड़ सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इसकी

कामयाबी का अन्दाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि

इसमें ITC, GE, Philips एवं Hindustan Latex Limited सहित

38 बहुराष्ट्रीय कम्पनियों(MNC's) ने भागीदारी दिखाई एवं

IIT-KGP में विकसित तकनीकों को खरीदने में रूची

दिखाई। इस exposition के हिस्सा बने निदेशक IIMC,

IIMK, IIM शिलांग ने इसके बारे में कहा कि “छात्रों द्वारा

इस प्रकार का प्रयास

अदभूत एवं अभूतपूर्व

है। BTech के छात्रों में

IP के प्रति जागरूकता

काबिले तारीफ़ है।

छात्रों एवं प्रोफेसरों का

institute की प्रगति में

सम्मिलित योगदान का

इससे अच्छा उदाहरण

नहीं हो सकता।”

निदेशक डॉ दामोदर आचार्य ने उद्घाटन समारोह में

बताया कि यह institute में होने वाला एकमात्र ऐसा fest है

जिसमें छात्र प्रोफेसर इण्डस्ट्रीज funding agencies एवं

सरकार(MHRD) एक धरातल पर देखने को मिलेंगे।

इस exposition से institute को हुए फायदों के

बारे में student head सौरभ हरनाथका ने बताया कि

SIDBI, NABARD जैसी बड़ी फंडिंग एजेंसियों का सहयोग

मिला है एवं NABARD ने अगले इवेन्ट को sponsor करने

की इच्छा जताई है। A.S.Rao(scientist-G,DSIR) SMST

क्षेत्र में काफी उत्साहित नजर आये एवं भविष्य में SMST

की प्रयोगशालाओं से जुड़ने

की इच्छा जताई।

Fest के हिस्सा बने छात्रों ने

आवाज़ को बताया कि यह

exposition हमें BTP, MTP

एवं रिसर्च क्षेत्र चुनने में

मदद करेगा और विशेष

रूप से MTech छात्र एवं

Academia -----> IndAc -----> Insdutrty

research scholar काफी

उत्सहित थे वे बता रहे थे

कि यह हमारे लिए उपयोगी

इवेन्ट था। प्रथम वर्ष के

कुछ छात्रों ने भी इसमें

हिस्सा लिया था।

उद्घाटन समारोह में श्री सुनिल शर्मा (joint

seceratry, MHRD) डॉ राघव साह (TIFAC) उपस्थित थे।

Guest lectures में श्री

N.L. Mitra, श्री कुनाल

शर्मा (co-founder,

iRunway) सहित कई

महत्वपूर्ण हस्तियाँ

मौजूद थी, जिससे छात्रों

को पेटेन्ट के बारे में कई

रोचक जानकारीयाँ

मिली एवं पेटेन्ट से

सम्बन्धित सभी शंकाओं का समाधान मिला। छात्रों ने

काफी मात्रा में पेटेन्ट फाइल किये।

Student head राजीव अग्रवाल ने बताया कि इस इवेन्ट का

मिडिया पार्टनर टाइम्स ऑफ इण्डिया था और इसको कवर

करने के लिए आजतक एवं e-tv न्यूज चैनल आये थे

जिन्होंने Dean,SRIC एवं coordinator से बात की थी।

Student coordinator प्रवेश दुदानी ने भविष्य की योजना के

बारे में बताया कि इस बार हमने 70 तकनीकों शामिल की

थी और अगले event में यह संख्या 200 के पार हो

जायेगी। अभी तक केवल प्रोफेसरों की तकनीकें थी

अगली बार छात्रों के रिसर्च वर्क को भी शामिल किया

जायेगा। हम इस event को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने

का प्रयास करेंगे जिसमें संस्थान हर संभव मदद के लिए

तैयार रहेगा। निदेशक महोदय ने आश्वासन दिया कि

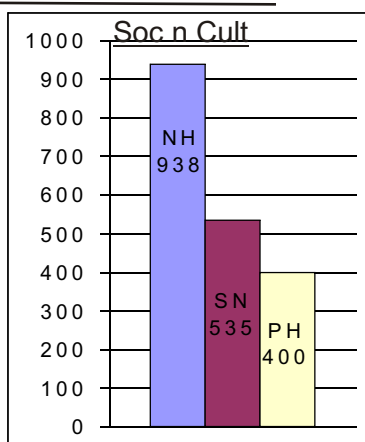
इसे complete student activity माना जायेगा।

अन्त में TTG को इस पुनीत प्रयास के लिए आवाज़ की

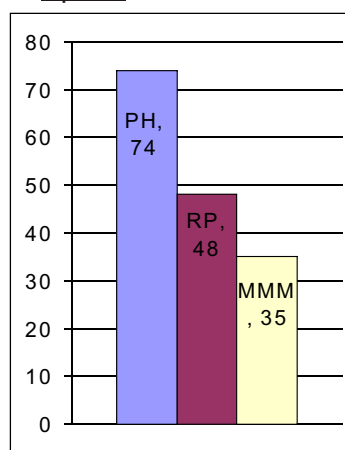
शुभकामनायें।



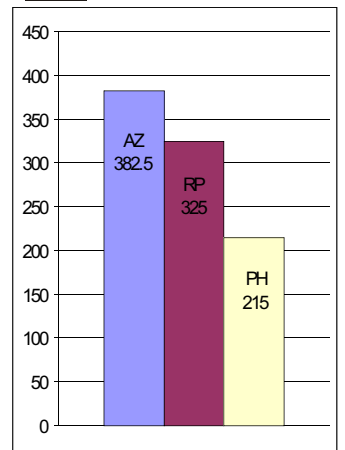
G.C. मीटर



Sports



Tech



प्रथम तीन स्थान

आँकड़े @ DepC 06-07

साल के इस समय अगर किसी का उत्साह सबसे ज्यादा रहता है तो वो है प्रथम वर्षीय छात्र। जी हाँ बात की जा रही है DepC की। इकलौता निर्णय जिसपे प्रथम वर्षियों के अगले 3-4 साल निर्भर करते हैं। इसी Depc की आशा में कई तो पहले दिन से आखिरी तक campus में होने वाली हर चीज से खुद को काटा कर मग्न बने दिन रात पढते रहते हैं। अब वो समय आ गया है देखने का कि उनकी मेहनत उन्हें कहाँ पहुँचाती है। Depc का फॉर्म तो आ ही चुका है। आपके लिए आवाज टीम लाई है पिछले कुछ सालों से चले आ रहे Depc के आँकड़े।

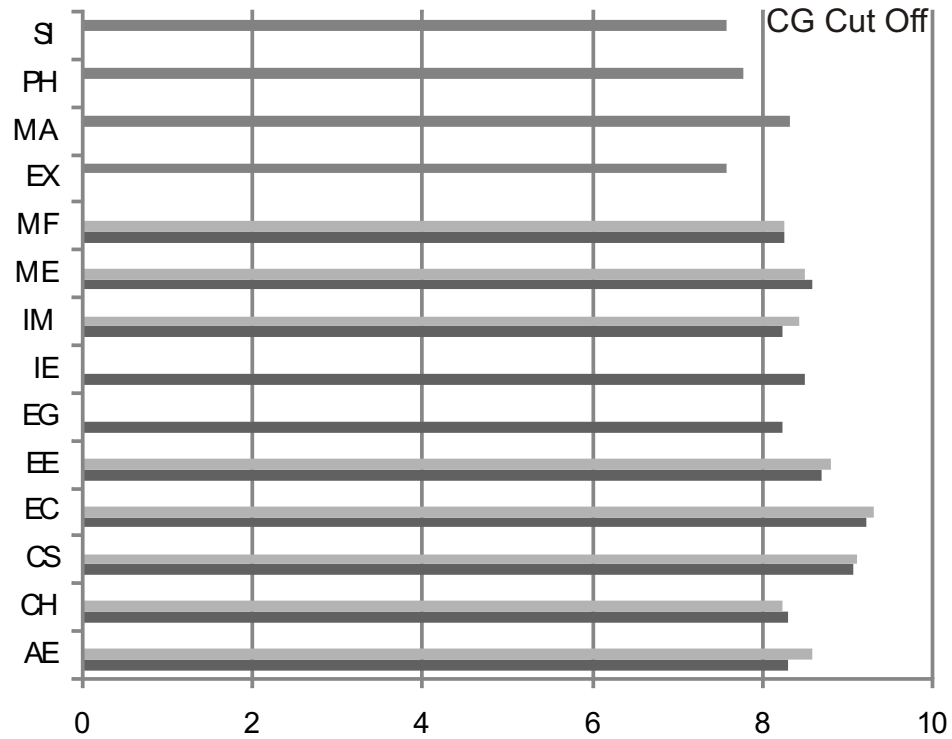
हमें आभारी होना चाहिये यहाँ के प्रबंधन का कि बाकी IIT's की तुलना में यहाँ DepC ज्यादा सरल है। इसका कारण है कि अन्य IIT's की अपेक्षा यहाँ किसी भी शाखा से निकलने वाले छात्रों की संख्या सीमित नहीं है। बस एक ही नियम है कि जिस शाखा में DepC मारी जा रही है वहाँ छात्रों की संख्या 10 प्रतिशत से अधिक इजाफा नहीं हो सकता। और जनता इसी बात का पूरा फायदा उठाती है।

2005 में अकादमिक सत्र में कुछ बदलाव किये गये एवं छात्रों के आने की संख्या को बढ़ा दिया गया। इससे पहले लगभग 40 की संख्या में लोगों ने Depc मारी थी। उस समय आप केवल पाँच ही विकल्प भर सकते थे। परन्तु इस बार विकल्पों की संख्या 10 कर दी गयी है।

पिछले वर्ष भी संख्या इसी के इर्द गिर्द रही। पिछले वर्ष 250 छात्रों ने Depc का आवेदन भरा था जिसमें से 79 छात्रों को सफलता मिली थी। जिसमें Mechanical एवं EE Department में सबसे ज्यादा 17-17 लोगों ने Depc मारी थी। वहीं chemical के दिवानों की संख्या भी 10 थी। NA, MT, AG में किसी ने Depc नहीं मारी। MSc courses के छात्र भी CS एवं EEC में Depc मारने में सफल रहे हैं।

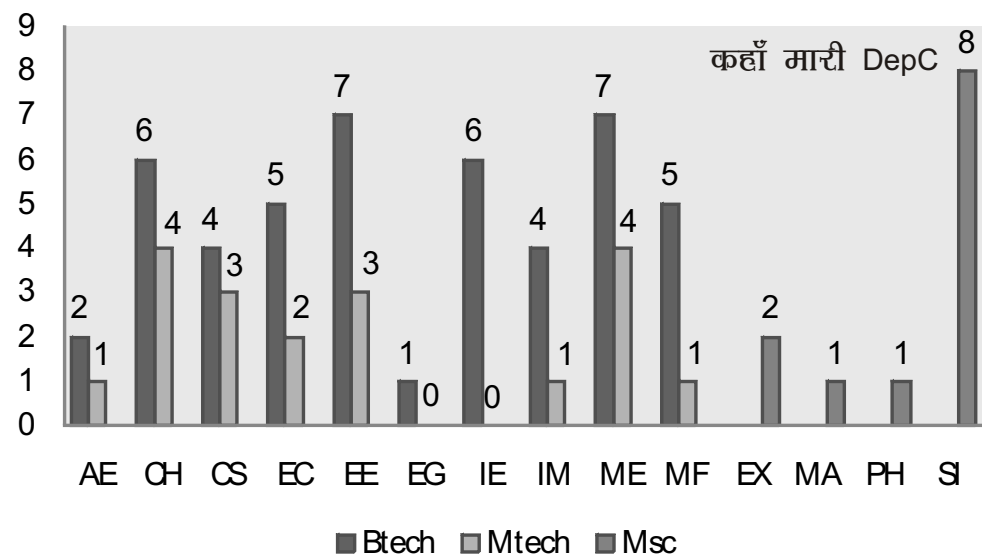
पिछले दो वर्ष में Insti. इस system में एक बड़ा फेरबदल कर रही है। 2005 के नये नियम के आधार पर B.Tech के छात्रों को VGSOM के अन्तर्गत 1 yr MBA + 4 yr B.Tech Intro course तथा 5yr B.Tech + M.Tech courses के छात्रों को 5yr B.Tech + MBA का प्रावधान दिया है। पिछले वर्ष 17 लोगों ने इस कार्यक्रम को अपनते हुए VGSOM का पाठ्यक्रम चुना। इस पाठ्यक्रम का भविष्य अभी अनिश्चित है क्योंकि 2 साल पहले ही इसकी शुरुआत हुई है। इसलिए छात्रों को हमारी सलाह है की इस विकल्प का चुनाव बहुत ही सोच समझकर करें।

1st yrs आपके पास यह सुनहरा मौका है यहां के जीवन के पाँच साल को पूरी तरह बदलने का। अतः सोच समझकर अपने विकल्प भरें। जो शाखा आप जानते हैं आपकी पहुँच से दूर है उन्हें भरके अपने विकल्प व्यर्थ न करें। और एक आखिरी सुझाव End Sem अच्छे से पढ़ कर दें। उस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।



	AE	CH	CS	EC	EE	EG	IE	IM	ME	MF	EX	MA	PH	S
Msc											7.5	8.3	7.7	7.5
Mtech	8.6	8.2	9.1	9.3	8.8			8.4	8.5	8.2				
Btech	8.3	8.3	9.0	9.2	8.7	8.2	8.5	8.2	8.6	8.2				

■ Msc ■ Mtech ■ Btech



■ Btech ■ Mtech ■ Msc

फिर भी हमें RK ही चाहिए !

एक वर्ष और बीत गया। इस वर्ष की आवाज़ की अंतिम इशू भी आ गई। मगर एक बात तो बदली नहीं। फर्चों को अब भी RK हॉल से खूब आकर्षण है। इस बात को तो सभी को मानना होगा। सर्वे के कुछ ही देर पश्चात इन्स्टी अधिकारियों के कारण MMM हॉल भी एक विकल्प बनकर रह गया। तब हमारे होनहार रिपोर्टर निकले फर्चों से इसकी बात करने। अचंभे की बात तो यह थी कि सारे फर्चे MMM हॉल से निकलने को व्याकुल थे। एक फर्चे ने साफ-साफ कह ही दिया 'चाहे पटेल ही क्यों न जाना पड़े, हमें MMM में तो नहीं रहना'। आगे आप IITian हैं, खुद ही समझ जाएँ।

हॉल की बात छोड़िए, इस बार फर्चे तो अपनी डिपार्टमेंट तक छोड़ना चाहते हैं। जी हाँ हम जाने-माने Dep-C की ही बात कर रहे हैं। इस साल फर्चों का इस विषय से बड़ा लगाव दिख रहा है। हर अगला फर्चा नहली मार रहा है। ऐसा लगता है कि सभी एक ग्रेडों के वृक्ष पर बैठे हों। हर कोई अपनी डिपार्टमेंट से गद्दारी करने पर तूना है।

इस बात को अगर हम एक अलग नज़रिए से देखें, तो यह एक अहम मुद्दा उठाती जरूर है। क्या JEE के पश्चात लोगों से ब्रांच बतलाना उचित है? अधिकारियों को

इस बात पर गौर जरूर करनी चाहिए। आखिर हर किसी के नसीब में Dep-C नहीं लिखी होती।

शायद ही इस इन्स्टी में पहले कभी ऐसा हुआ हो कि एक बात से इतनी नफरत की जाए जितना इस वर्ष फर्चे चुनाव से करते हों। यहाँ तक कि फर्चों को इल्लू तक ठीक-ठाक लग रहा है। और हमें इस लेख को पढ़ने वाले सीनियर के चेहरे पर मुस्कराहट भी नज़र आ रही है। खैर स्प्रिंगफेस्ट और क्षितिज ने जरूर फर्चों में मचा दिया।

मगर इस बार तो हम आवाज़ वाले भी पीछे नहीं रहे। एक ऐसा सवाल दे ही दिया जिसने अच्छे-अच्छे फर्चों के छक्के छुड़ा दिए। लगता है फर्चों को हर चीज़ की बस कमी ही खल रही है। मगर वो तो इसलिए है कि वे अब तक सीनियर हॉल नहीं आए, क्यों सीनियर साहब?

सर्वे परिणाम अगले पन्ने पर...

ROADIES 2.2



शायद ही ऐसी कोई अच्छी टी वी श्रृंखला हो जो हमारे प्यारे DC++ पर उपलब्ध ना हो और कैंपस में लोकप्रिय ना हो किन्तु रोडीज की लोकप्रियता ने तो कुछ मचा दिया है। आजकल तो कुछ हूहा टाइप की चर्चा इस सीरीज की हो रही है। वैसे तो साईकल पर कूदने - फाँदने वाले हम kgpians के बीच रोडीज की लोकप्रियता कुछ अप्रत्याशित नहीं है फिर भी IIT में पाये जाने वाले तथाकथित बुद्धिजीवी युवा वर्ग में इस कार्यक्रम की इतनी लोकप्रियता की कल्पना तो शायद कार्यक्रम बनाने वालों ने भी नहीं की होगी। खैर आजकल चारों ओर....चाहे वो कोई बी.टेक हॉल हो या एम.टेक, MMM की मेस हो या पैन की सीनियर विंग हर जगह रोडीज की चर्चा ही सुनने को मिल रही है। ऐसी परिस्थितियों में हमने सोचा कि आखिर ऐसा क्या है सबके सर्वप्रिय कार्यक्रम रोडीज में कि सब इसके दीवाने हैं। तो गौर करने पर पता चला कि रोडीज में वह सब कुछ दिखाया जाता है जिसके लिए kgp की जनता तरसती है। पहली बात हो जाए बाइक्स की। भई हर कोई जब स्कूल से निकलता है तो सोचता है कि अब तो बाइक दौड़ानी है। लेकिन हम तो यहाँ पर भी साईकल ही दौड़ाते रहते हैं। इसीलिए तो करिष्मा देखकर सबको उसे पाने की इच्छा होती है। और जब इस बाइक पर पीछे कोई सुन्दर बंदी बैठी हो तो बात ही कुछ और है। आजकल सबकी इच्छा हो रही है कि वो आशुतोष, आयाज, निहाल, विभोर, विकान्त बन जाए और उनके पीछे सोनल, शाम्भवी, अनमोल, अंकिता, प्रभजोत बैठी हों। भई ये इच्छा यहाँ तो पूरी होने से रही सो हम तो रोडीज देखकर ही काम चला लेते हैं। भई ये तो है कि, रोडीज की करिष्मा ने करिष्मा कर दिया है....जनता पर हूहा असर हुआ है। और शाम्भवी के चक्करों के बारे में क्या कहा जाए, प्रत्येक एपीसोड में दिलचस्पी रहती है कि अब नया बकरा कौन है। फिर अनमोल, अंकिता और प्रभजोत की लड़ाई के बारे में क्या कहा जाए? उसका अपना ही मजा है। उनकी भाषा सुनकर तो और भी अच्छा लगता है....बंदियों के मुँह से ऐसी भाषा...क्या कहा जाए? और सबके सर्वप्रिय गुरूजी, मास्टरमाइंड रनेहाशीष के बारे में कहना ही क्याउनकी राजनीति ने तो kgp के चुनाव समय की याद दिला दी है। और रोडीज की भाषा का क्या कहा जाए वो तो बिल्कुल हमारी तरह ही है। हमें तो इस बात का गर्व होता कि हमारी जैसी भाषा का इतना अच्छा उपयोग हो रहा है। हाँ एक बात तो है कि रोडीज में थोड़ी दिक्कत तब आती है जब रघु साहब की जबरदस्त एंट्री होती है। लेकिन भई जब हम अपने प्रोफेसरों को झेल लेते हैं तो उनको इतना तो झेलना ही चाहिए।

इस प्रकार हमारे कैंपस में रोडीज का ट्रेंड अनायास ही नहीं है। जनता अपनी तुलना रोडीज के पात्रों से करती है और अपने आपको उनके जैसी किस्मत नहीं मिली, इस पर कोसती है। तो बस सभी रोडीज 5.0 देखने वालों को हमारी शुभकामनाएँ और अन्त में इतना कहूँगा की, आप रोडीज 5.0 देखते रहिए और 2.2 के चक्कर मारते रहिए।

चुनाव का फेर

मार्च महीने में MMM हॉल के सूने आँगन में नए चेहरों की चहलकदमी ने सारे फर्चों के कान खड़े कर दिए। उन्हें किसी अन्होनी की आशंका तो जरूर थी, परंतु फंडे, proposals, शैडो और कैंडिडों की ऐसी बाढ़ आ जाएगी ये उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था।

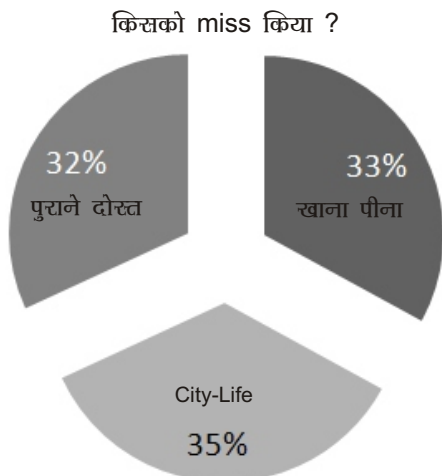
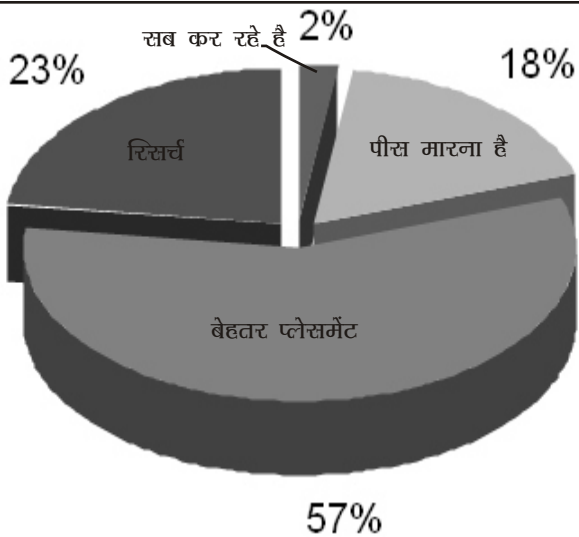
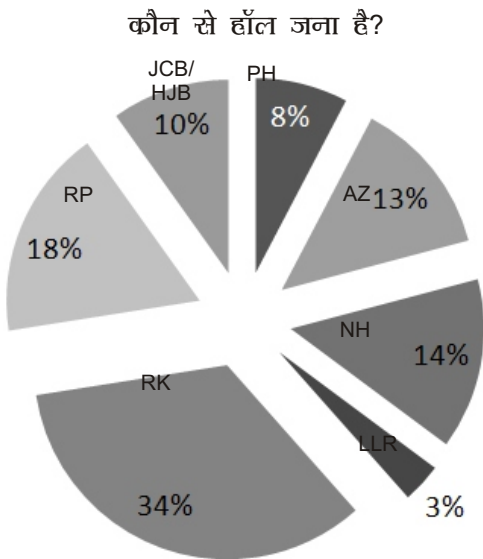
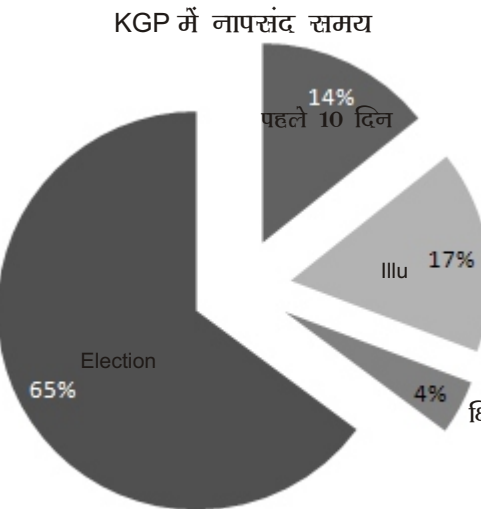
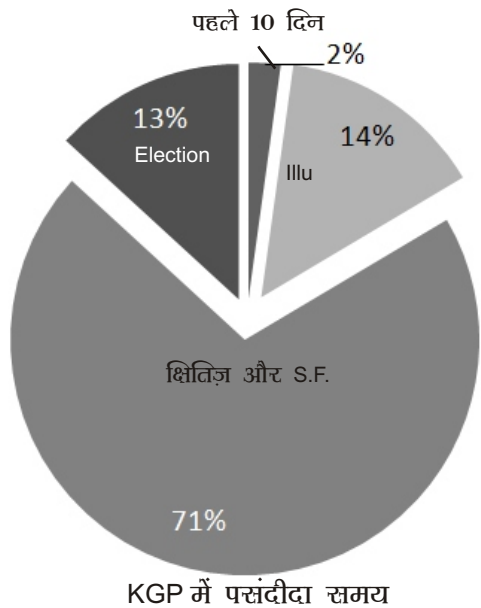
20 मार्च को होने वाले जिमखाना चुनाव की तैयारी में सारे प्रतिद्वंदी अपने समर्थकों के साथ MMM हॉल में डेरा डाले हुए थे। लगभग 6 मार्च से हॉल में कई सारे शैडो दिखने लगे जो कभी-कभी बिना कैंडी के भी मंडराते रहते थे। 8 मार्च को इस राज का खुलासा हुआ कि आखिर वो शैडो थे किसके। फिर शुरू हुआ फंडों और proposals का दौर। कुछ दिनों बाद तो स्थिति कुछ ऐसी बन गई थी कि कैंडी फर्चों को नहीं, बल्कि फर्चे कैंडियों को उनके proposals गिनाने लगे थे। और proposals भी ऐसे, जैसे मानो वो भारत के प्रधान मंत्री का चुनाव लड़ रहे हो। कैंडियों के नाम फर्चों के दिमाग में ऐसे ठूसे जा रहे थे, कि कुछ मामले प्रकाश में आए हैं जिनमें फर्चे नौद में कैंडियों के नाम बड़बड़ाते पाए गए। चुनाव का अखाड़ा सिर्फ MMM में ही नहीं, बल्कि अन्य हॉलों में भी फैल चुका था। हॉल डे जिसका हॉल की स्थापना से कोई लेना-देना नहीं था, बड़े धूम धाम से न जाने क्यों इसी समय मनाया गया। जो फर्चे चुनाव लड़ रहे थे, उनकी हॉल डे पर इज्जत अफजाही देखनेलायक थी। आम आदमी के लिए तो हॉल डे तो महज मस्ती और मजा का एक अवसर था। चुनाव लड़ने वाले फर्चों ने फंडे देने में सीनियर के सहयोग की काफी सराहना की।

15 और 16 मार्च की मचा देने वाली SOP के बाद ही कैंडियों का असली चेहरा सामने आया। कुछ कैंडियों के शैडो तो ऐसे गायब हो गए, मानो गंधे के सिर पर सीध। फिर शुरू हुआ एक ऐसा दौर जब कैंडी अपने नहीं, बल्कि अपने प्रतिद्वंदियों के proposal में रूचि दिखा रहे थे।

इस रस्सा-कस्सी के बाद आखिर चुनाव का दिन आया। चुनाव आते-आते देखा गया कि कैंडी के सीनियर umbra के साथ फर्चों के रूप में penumbra शैडो भी घूमने लगे थे।

शाम को मतदान के साथ-साथ यह चुनावी हलचल भी थम गई। जो भी हो इस चुनाव ने फर्चों और सीनियर्स के बीच एक पुल का काम किया और उनका आपसी सहयोग सचमुच देखने लायक था।

सर्वे परिणाम



सर्वप्रथम सभी पाठकों को टीम आवाज़ का अभिनन्दन। प्रस्तुत अंक आवाज़ के द्वितीय वर्ष का आखरी अंक है। अक्टूबर 2006 से शुरू हुआ हमारा यह सफ़र दो सत्र पूरा कर चुका है। प्रारंभ से ही हमारा प्रयास रहा है की हम आपकी खबरों को आपकी भाषा में आपके सामने प्रस्तुत करें। और अपने प्रयास में हम आंशिक रूप से सफल भी हुए हैं। आंशिक इसलिए, क्योंकि अभी काफी कुछ शेष है करने को। पाठकों को सबसे बड़ी शिकायत जो हमसे रही है, वो है हमारे दो अंकों के बीच लगने वाले लम्बे समय का। पर अपनी इस कमी पर हमने काबू पा लिया है और अब अगले अंक के लिए आपको 1 महीने से ज्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा।

कुछ लोगों को ये शिकायत भी हो रही है कि आवाज़ की शुरूआत जिस उद्देश्य से हुई थी, हम उससे भटक रहे हैं। हम उन सभी को बताना चाहते हैं कि हम कहीं पर भी अपने लक्ष्य से डिगे नहीं हैं। हाँ हमारा प्रस्तुतिकरण थोड़ा मूढ़ अवश्य हो गया है। हम अब भी मुद्दों को उठाने से पीछे नहीं हटते हैं। बात चाहे पासपोर्ट आवंटन में हो रही अनियमितता की हो या ट्रेनिंग-FT की या फिर सिक्युरिटी जैसा अहम मुद्दा, हमारी पहल पहले की तरह ही जारी है। हम अपने सभी पाठकों को आश्चस्त कर देना चाहते हैं कि बदलाव सिर्फ़ हमारे अंदाज़-ए-बयों में आया है, हमारे विषय-वस्तु में नहीं। और इसका कारण यह है, कि हमारी टीम का यह मनना था कि एक ही बात को कहने का तरीका थोड़ा सौम्य भी हो सकता है। और एक सभ्य समाज में मृदता पूर्वक कही गई बात का वज़न ज्यादा होना चाहिये। खैर, अगर हमारे पाठकों को शिकायत है, तो हम क्षमाप्रार्थी हैं तथा भविष्य में अपने पहल में और

ज्यादा स्पष्ट होने की कोशिश करेंगे।

सत्र के इस आखरी अंक में बात करते हैं उन दो मुद्दों की जो पिछले दिनों सूर्खियों में छाई रही। ये दो मुद्दे हैं, सरकार द्वारा कई नए IIT-IIM बनाने की घोषणा और आरक्षण को उच्चतम न्यायालय द्वारा हरी झंडी मिलना। दोनों ही मुद्दे एक दूसरे से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। ऊपरी तौर पर देखा जाए तो दोनों कदम सामाजिक समता की दिशा में एक अच्छा प्रयास माने जा सकते हैं। परन्तु विश्लेषण करने पर हमारे सामने एक अलग ही तस्वीर नज़र आती है। एक IITian के पक्ष से देखें, तो दोनों ही कदम हमारे exclusiveness पर आघात नज़र आते हैं अतः हमारा इन फैसलों से नाखुश होना लाज़िमी है। लेकिन निष्पक्ष नज़रिये से

बात संपादक की

देखें तो भी ये कदम असरकारी कम और वोट-बटोरू ज्यादा लगते हैं। वैसे इस कदम के पीछे सरकार की मंशा यदि उच्च कोटि के शिक्षण संस्थानों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक उपलब्ध कराना भी है, तो भी सरकार को यह सोचना चाहिये कि देश में पहले से ही NIT जैसे कई संस्थान हैं जो IIT के समतुल्य हो सकते हैं। परन्तु वे बस सुविधाओं के आभाव में पीछे छूट जाते हैं। सरकार को यह भी याद रखना चाहिये कि IITs ने रातों रात ही इतना नाम नहीं कमाया है बल्कि इतने वर्षों तक खुद को साबित करने के बाद ही यह मुकाम हासिल किया है। आनन-फानन में हर दूसरे संस्थान को IIT का नाम देने से उन संस्थानों का स्तर तो नहीं बढ़ेगा, हाँ IIT के नाम का असर अवश्य घट जाएगा तथा

छात्रों का IITs के लिए आकर्षण भी कम हो जाएगा। नये शिक्षण संस्थानों की स्थापना वाकई एक अच्छा कदम है, लेकिन सरकार को इन्हें IIT का नाम देने की लोक-लुभावन नीति से बचना चाहिये। सरकार को चाहिये कि नये संस्थान और पूर्व-स्थापित संस्थानों में व्यापक सुविधाएँ मुहैया कराए तथा उन्हें भी IIT-IIM के समतुल्य बनाए। जब वे IIT-IIM के बराबर परिणाम प्रदर्शित करने लगे तो बेशक उन्हें IIT/IIM का दर्ज़ा दे दिया जाए। कहने का तात्पर्य यह है कि, हम चाहते हैं कि सिर्फ़ इस नाम के नए संस्थान ना बने, बल्कि वाकई में नए IIT तथा IIM बने।

अब बात करते हैं आरक्षण की। आरक्षण एक ऐसा मसला है जिसके बारे में काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। बहरहाल काफी समय से लम्बित OBC को 27% आरक्षण देने के केस को पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हरी झंडी मिल गई। संसद के दोनों सदनों में पारित होने के बाद यह परिणाम अवश्यंभावी ही था। अतः इसके लिए न्यायालय को दोष नहीं दिया जा सकता। लेकिन आरक्षण के दायरे से 'क्रीमी लेयर' को बाहर रख कर देश की सर्वोच्च न्याय संस्था ने ज़रूर अच्छा कदम उठाया है। हमारी राजनीतिक पार्टियों को भी वोट बैंक की राजनीति छोड़ कर वाकई ईमानदार प्रयास करना चाहिए जिससे की न तो योग्यता पंगु बने और न ही लोगों में पिछड़ेपन में बने रहने की ललक रहे तथा वास्तव में सामाजिक समता कायम हो सके।

राजनीति में कुछ अच्छे बदलाव की इन्हीं उम्मीदों और अगले सत्र में पुनः मिलने के वादे के साथ, अलविदा...।

IIT खड़गपुर में प्रवेश पाने वाले छात्रों की सुविधा के लिए प्रशासन उनके यहाँ कदम रखने से पहले ही कई तैयारियाँ करता है, जिसमें से SBI में zero balance अकाउन्ट खोलना एक प्रमुख हिस्सा है। फर्स्ट सेमेस्टर के रजिस्ट्रेशन के दिन ही छात्रों और उनके अभिवाहकों को इस बात से अवगत करा दिया जाता है तथा बैंक में अकाउन्ट खोलने का फार्म थमा दिया जाता है। इसमें से अधिकतर छात्र इसी अकाउन्ट को अपने आर्थिक लेन-देन के लिए इस्तेमाल करते हैं।

IIT और SBI द्वारा प्रदान की जाने वाली यह सुविधा सराहनीय है, पर इसके कुछ पहलू हैं जो इसके zero balance होने की सार्थकता पर सवालिया निशान लगा देते हैं। जैसे कि अकाउन्ट में पहली बार पैसे आते ही तोहफे के तौर पर SBI द्वारा minimum balance charges के रूप में 55 रुपये काटा जाना। बैंक जाने से छात्रों को पता चलता है कि इस अकाउन्ट के बाकी अकाउन्ट्स से भिन्न होने के कारण आरम्भ में यह राशी कुछ गड़बड़ी के कारण काट ली गई है, जिसे ठीक करने के लिए बैंक के नाम एक आवेदन पत्र लिखना पड़ता है। यह गड़बड़ी होना आम बात लगती है और किसी छात्र की परेशानी का बड़ा कारण नहीं लगती।

लेकिन आश्चर्यजनक बात तो यह है कि यह राशी उनके अकाउन्ट से minimum balance (Rs. 500) से कम होते ही महीने के अन्त में काट ली जाती है। यह राशी वापस लेने की प्रक्रिया भी वही है। बैंक जाकर आवेदन पत्र देने से अभी तक की काटी गई सारी राशी वापस मिल जाती है। पर इस राशी पर इतने दिनों का ब्याज नहीं मिलता, जो कि गलत है। बहुत से छात्रों को इसकी कोई जानकारी ही नहीं। वे यह समझते हैं कि उनके अकाउन्ट का minimum balance 500 रुपए ही होने चाहिए। तथा पैसे काटे जाने पर वो कुछ नहीं करते। बाकी छात्रों को इतना समय या जोश भी नहीं है कि वो 55 रुपये के लिए हर महीने बैंक के हर महीने चक्कर काटे।

अतः यह zero balance अकाउन्ट बेमतलब लगता है। हमारी आवाज़ टीम ने इस मुद्दे पर बैंक के मैनेजर और कर्मचारियों से बात की। पर किसी के पास भी हमें उचित उत्तर नहीं मिला। सभी का रवैया एक आदर्श सरकारी अफसर के भांति ही था। हमें एक टेबल से दूसरे और दूसरे से तीसरे टेबल की सैर करनी पड़ी। बैंक के करेंट अकाउन्ट अफसर श्री अमर मिश्रा के अनुसार यह समस्या सिस्टम में गड़बड़ी के कारण है। हमने इसके हल के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि सब कुछ मुम्बई हेड ऑफिस से कंट्रोल होता है और वो कुछ नहीं कर सकते। बैंक के रिलेशनल मैनेजर से

पूछे जाने पर उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए गैद ब्रान्च मैनेजर के हाथ में थमा दी। बैंक मैनेजर तो उस दिन छुट्टी पर थे। अतः

हम दो दिन बाद फिर पहुँचे मैनेजर से मिलने। बैंक मैनेजर को हमने हमारी समस्या बताई तो वो हमारे ऊपर ही चिल्लाने लगे। उनके अनुसार यह राशी हर 6 महीने में काटी जाती है, जो हमारी जानकारी के अनुसार गलत है। समस्या के समाधान के बारे में हमने पूछा तो मैनेजर ने कहा कि हमने यह बात मुम्बई हेड ऑफिस तक पहुँचा दी है और सिस्टम में गड़बड़ी को ठीक किया जा रहा है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में कितना समय लगेगा, इसका जवाब उनके पास नहीं था। यह पूछे जाने पर कि अभी की प्रक्रिया में छात्रों को काटे गए पैसे का ब्याज क्यों नहीं मिलता, उन्होंने सिस्टम में मौजूद दोष की दुहाई देकर अपना पल्ला झाड़ लिया।

हमने इस विषय में डीन ऑफ स्टूडेंट्स अफेयर (प्रॉ डी के त्रिपाठी) से भी बात करनी चाही, पर उनके KGP में नहीं होने के कारण मिल न सके। हमारी टीम उनके लौटते ही इस विषय पर उनसे मिलेगी और हमें उम्मीद है कि इस मामले का जल्द ही समाधान ढूँढ लिया जाएगा।

इसका भले ही किसी एक छात्र पर कोई खास असर ना नज़र आए, पर जो भी हो

रहा है वह गलत है और इसे ठीक किया जाना चाहिए। हमें उम्मीद है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान ढूँढ लिया जाएगा। हमारी आवाज़ टीम इसी कोशिश में लगी है। अभी के लिए छात्र अपनी राशी पाने के लिए एक आवेदन पत्र लिख कर बैंक में दे सकते हैं।

आवाज़ टीम

संपादक : कुमार अभिनव, श्याम सुंदर, अरुणाम परिहार

सह संपादक : सुरेन्द्र केसरी, सुमित सिंघल, अभिनव प्रसाद, विकास कुमार, पंकज कुमार सोनी, नरेश कुमार सोनी

रिपोर्टर : आकाशदीप, अनुभव प्रताप सिंह, राजेन्द्र चौधरी, गौरव अनुराग, अमित कुमार, अभिनव मेहता

डिजाइन टीम : सिद्धार्थ दोशी, अयान मजुमदार

जूनियर रिपोर्टर: गौरव अग्रवाल, आशुतोष कुमार मिश्रा, आदित्य मणि झा, मनोज कुमार, शिरीश सुब्रमण्यन, सोनल श्रीवास्तव, अनुभा गर्ग, दामिनी गुप्ता, अंकिता मंगल, विक्रम कदम, कपिल गुमास्ता



IIT में हम आए हैं,
कुछ अभिलाषाएँ साथ लाए हैं,
हमले IITian बनकर दिखाया है,
सबको धूल चटाया है,
हमसे smart कौन यहाँ,
हम ही हैं शेर यहाँ।

खुद को stud वुम समझते हो,
funda कुछ नहीं रखते हो,
शक्ल छोड़ो, अक्ल से भी गधे वुम लगते हो,
मला IIT में IITian होने को वुम achievement
कहते हो!
आओ वुम अगले साल हमारे पास,
हम बनाएंगे वुमको झाकास।



न ज़ाहने मैंने कौन से पाप किए थे,
जो यहाँ खुद को पाता है,
मछीने के interaction के बाद,
खुद को ILLU बनाते पाता है,
खुद का tempo मले ही हो down,
खुद का tempo high जाता है,
HALL का tempo लगकर,
CG की मैं वाट लगाकर,
HALL के लिए GC लाता है,
कहाँ पहले KGP का दामाद था,
अब खुद को यहाँ का नौकर पाता है।



बला टली, बदला है मौसम,
खुद को senior कहते अब हम,
अब आओ 2nd years, हम बताएंगे,
वुमको असली stud हम बनाएंगे,
HALL tempo वुम में भी लाएंगे,
फच्चे से तुम्हे senior बनाएंगे।



सोचा था पाकर IIT का ब्रैण्ड,
बनेंगी खूब सारी अपनी गर्लफ्रेंड,
computer, DC, orkut, e-mail,
पर नहीं मिली हमें कोई female।
अब तो यारों लग गई नौकरी,
अब तो भैया दिला दो छौकरी,
अभी खत्म नहीं हुई कहानी,
रोज़ चुनते हैं prof की जुबानी,
खत्म करो BAP का काम,
GV में याद दिलाएंगे नानी।

मैल दे mail, mail दे mail,
यहाँ वहाँ वहाँ DC और खोली gmail,
हो नौकरी होना है इस game में फ़ैल।



दिल में है गम, आँखें हैं नम
इन पलों को कभी भूल न पाएँगे हम
चलते हैं हम कहकर सबको अलविदा
KGP की यादें रहेंगी साथ हमारे सदा

Arunabh Parihar aka Aayu (LLR)

मेरे प्रथम वर्ष में जब हम HJB में थे तब पटेल हॉल ने कबड्डी का आयोजन किया था, तब हमने MS को फाइनल राउण्ड में पछाड़ दिया था। वो लम्हा मुझे हमेशा याद रहेगा।

मैं 1st year में इतने Medicals दिखाता था, कि मेरे Maths professor जब भी मेरे हाथ में blue book देखते थे, पूछते थे कि किस दिन का Medical लगवाना है :P।

दोस्तों के साथ 1st year में साइकल पर जाते समय एक दूसरे को लात मारते थे। एक बार ऐसा हुआ कि मैं ने एक दोस्त की साइकल को लात मारी और वो सीधा veggies के सामने नाले में जा गिरा :D।

'मंज़र' का नाम सोच रहे थे पर हमें लग ही नहीं रहा था कि कुछ होगा, पर जब मंज़र समाप्त हुआ, हमें विश्वास ही नहीं हुआ कि यह सब किस तरह आयोजित हो गया।

Ravi Jakhar (Nehru)

“बात 2nd year की है, जब RP में कुछ आतंकवदी घटनाओं के चलते घटनास्थल पे ही मुझे 'DC लगने' और 'देखे जाने' की तोहमत मिली। मुझे अपना IIT का कार्यकाल समाप्त होता नज़र आया, लेकिन तभी 'गाय' और 'मुरारी' नामक seniors का प्रवेश हुआ और मैं नाटकीय रूप से घटनास्थल से बाइज़ात बरी हुआ।”

यह घटना placements की है। एक कंपनी जिसमें मेरी बिल्कुल भी रुचि नहीं थी, उसके interview में मेरी अत्याधिक कौशिल्य के बाद भी जब मुझे final round के लिए चुन लिया गया, तब मुझे interviewer (जो कि KGP की लुप्तप्राय प्रजाति की ही प्रणी थी) की सौंदर्य-प्रशंसा का सहारा लेना पड़ा।

Suraj Prakash aka Suru Da (RK)

2nd yr में illu मे RK split के दौरान पॉव में चोट लग गयी थी और खून निकल रहा था फिर भी मैं tables हटा रहा था। और जब RK को gold मिला तो रसगुल्ले खाने में बड़ा मज़ा आया था।

Abhigyan Sharma (Nehru)

“2007 मार्च का समय था नेहरू Sports GC जीत चुका था। और Tech GC और Soc-cult GC के events GC निर्णायक थे। जब Tech GC का presentation चल रहा था, अचानक नेहरू से भारी जनता कक्ष में घुसने लगी। जज़ तथा बाकी लोग इतनी जनता को देखकर psyche हो गए कि Tech के किसी event में इतनी जनता कैसे पहुँच गई। सबके चेहरे पर खुशी देख हमें समझने में देर नहीं लगी कि नेहरू ने Soc-cult GC जीत लिया है। और उस दिन तीनों GC जीतकर नेहरू ने जो इतिहास बना दिया था, वो लम्हा मेरे लिए हमेशा यादगार

Kumar Puspesh aka Pushpi (Nehru)

सबसे यादगार लम्हा पिछले वर्ष की रंगोली जीतना था। पिछले वर्ष तीनों GC का दो दिनों में निर्णय होना, बहुत अच्छा अनुभव रहा।

Ashutosh Mani aka Mani(RK)

यादें तो बहुत हैं मगर 2nd yr में golden GC जीतने के बाद rally में celebrate करने में बहुत मज़ा आया था।

Romila (SN)

एगीज़ की चाय, भाट, मेस की गोसिप। फ्रस्ट ईयर में फंडू फच्ची के नाम से सीनियर बंदों को rose

day पर गुलाब और मेसेज भेजे थे। काफी टाइम तक पता ही नहीं चला कि ये फंडू फच्चियाँ कौन हैं :D।

1st year में DDLJ का शो देखने के बाद मेरे अलावा सबकी साइकल puncture मिली।

Pamela (SN)

लाइट जाने पर छत पर बैठकर लूडी खेलना। नेताजी के हर शो पर हूटिंग करना। लैन पर जो चाहो वो झट से मिल जाना।

Vinay Kumar (RK Hall)

मुझे 1st yr का वो समय याद है जब HJB और MS का tempo senior halls से ज़्यादा होता था।

Jyoti (SN)

क्षितिज। उसे शुरुआत से बढ़ते हुए देखा है। दोस्तों के साथ झंडाना। वी.जी. सोम और गोल सी के सामने भाट मारना।

Borna (SN)

शाम को छत पर बैठकर दोस्तों के साथ सूर्यास्त देखना। एक बार Dep में लुक्का छिपी खेल रहे थे, हमने एक बंदे को देखकर सोचा कि वो Denner है और उसे पीछे से जाकर चौंका दिया। वो बेचारा कोई और था, उसने सोचा है कि कोई कुत्ता है और डर के भाग गया :P।

Riti

जब शंकरपुर बीच पर दोस्तों के साथ nightout मारा था।

याद आँगे ये पल !

Anshumaan Prasad aka Desdichado (Patel)

5 साल ना जाने कैसे गुज़र गए...आज भी मुझे Kgp की वो पहली झलक याद आती है...देखते ही लगा था ये क्या जंगल है? IIT है कि कोई बेकार सी univ...!! उसके बाद तो जैसे यार्दों का सैलाब ही आखों के सामने से गुज़र जाता है। 1st yr की हूहा peace, क्लासेस का mass bunk, परीक्षाओं को जैसे -तैसे गुज़र जाने का इंतज़ार और गुज़र जाने पर हर बार अगले में फोड़ डालने की कसम खाना, वो pan drop की 6गगी और इन सबके बदले मिले ज़िंदगी भर के दोस्त!!

दिन रात की बकर, dept को गाली दे कर एक दूसरे को stud बताना, मेस का torture और पूरा system ही खराब बताना...और आखिर में यहाँ का lan। मैं इन सब को तहे दिल से याद रखूँगा। लेकिन अगर कुछ कसक रहेगी तो बस इस बात की कि जहाँ अभी जिन से chat के ज़रिए बात करना मेरा आलस्य है वही कुछ दिनों में मेरी मजबूरी बन जाएगी!!

Shivendra Singh (RP)

एक दिन मैं tempo में आके पहली बेंच पर बैठ गया लेकिन prof की बोलते समय थूकने की आदत थी। उसपर वो शरीर पर चोंक अलग झाड़ देता था। उस दिन से मैंने तौबा कर ली कि अब कभी पहली बेंच पर नहीं बैठूँगा।

Neel Lohit aka Taau (RK)

मुझे आज भी 1st yr का वो दिन याद है जब मैं अपने दोस्तों के साथ agriculture dept. के पीछे aerostrip देखने गया था। वहाँ हमारे पीछे police कि jeep पड़ गयी थी और हम किसी तरह बच के भागे थे।

Rohan Pandey (Nehru)

“SF core team में काम करना और अंत में हज़ारों mobiles को लेहराते देख पूरी मेहनत सार्थक लगने लगी एक बार मेरी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, तब BCROY में मुझे मिलने सारा हॉल पहुँच गया, इतना खास कभी नहीं लगा। मेरे दोस्त उत्कृष्ट मेरे साथ Cal आया मेरी जाँच की देख-रेख करने और उसने सारी रात फर्श पर बिताया (पर वो अपनी बंदी के साथ Cal आया था :P) पिछले वर्ष तीनों GC जीतना, वो भी कांटे की टक्कर से। मेरा KGP का पहला व्यावसायिक परिमाण, हमने एक प्रोडक्ट विकसित किया और उसे बेचने में सफल रहे 200 प्रतिशत मुनाफे के साथ। हमने venture capitalists से बात की, जिनमें से कुछ हमारे प्रोडक्ट में काफी रुचि रखते हैं। आपको अगले फरवरी तक रुकना पड़ेगा और जानकारी के लिए। जब मैं हॉल से जुड़ा, HP के अश्व भरे विदाई के शब्दों ने मुझे एहसास दिला दिया कि हॉल बस हॉल नहीं, एक परिवार है। मैंने एक SN की बंदी को OP के समय सीनियर के लिये propose मारा। वो मेरे साथ झगड़ने लगी पर अंत में सब ठीक हो गया।”

Dheeraj Baid (Nehru)
2nd year के शुरूआत के दिनों की बात है भय और तनाव का दौर अपने पूरे जोर-शोर पर था। उस दौर में हर इन्सान को अपनी अभिरुचियों का प्रायश्चित करना पड़ता है। मैं भी उसमें exception नहीं था। मुझे assignment मिला एक प्यार भरी कविता लिखकर SN Hall की एक बंदी को समर्पित करने का। मगर यह प्रेम-प्रस्ताव अपनी तरफ से नहीं, बल्कि एक सीनियर की तरफ से था। कविता की शुरू की पंक्तियाँ मुझे अभी भी याद है

“कितनों को मैंने ठुकराया,
शायद कभी तुमसा नहीं पाया,
दिल चाहे बेदर्द हो कितना,
तुमके देखा, होश गँवाया।”

मैं SN गया, उसे foye पर बुलाया और कहा कि Mr. X ने ये तुम्हारे लिए भेजा है खत और फिर उसे वो कागज़ का पन्ना पकड़ा दिया। उसने मुझसे कहा - “यार, बहुत पकाऊ इन्सान है ये। तुम ही बताओ इसका क्या जवाब लिखूँ?” मैंने पूछा “पहले भी उससे इस बारे में बात हुई है?” उसने कहा “हाँ”। फिर जो लिखित प्रत्युर मैं Mr. X के पास ले गया वो कुछ इस प्रकार था “ मैं तुम्हे इस बारे में पहले भी जवाब दे चुकी हूँ, तुम्हे मुझे रोज़रोज़ कटवाने में क्या मज़ा आता है? (:P)



Vivek Singh aka V singh (Patel)
क्लास में 1st बैच पर बैठ के मूँह खोल के सोना, 2nd yr में OP की भयावह यादें और परीक्षा की एक रात पहले फ़ेल करने का ख़ौफ- ये कुछ ऐसी यादें हैं जिने आप वापस से जीना तो नहीं चाहेंगे लेकिन फिर भी ये हमारे साथ रहते हुए हमारे साथ हमें हमेशा हँसाती रहेंगी। दूसरी तरफ seniors-juniors और यार-दोस्तों के साथ हँसी ठिठोली और खेलकूद(भले वो interIIT के समय हो या interHall के समय या फिर wing में क्रिकेट हॉकी खेलते हुए) कुछ ऐसी चीज़ें हैं जो मैं बार बार जीने की कोशिश करूँगा!!

Abhishek Sasmal aka Sassy (Nehru)
पिछले वर्ष, क्षितिज के दौरान, रोबोटिक्स arena में मैंने अपने एक सोते हुए दोस्त के सिर पर मेढ़क रख दिया [:P]
control systems की क्लास सहन न होने पर, prof के सामने क्लास से भाग जाना।
क्लास में पीछे बैठकर बिस्कट, फल खाना
एक बार 2nd year में मैं क्लास में prof की cartoon बना रहा था और prof ने पकड़ लिया। पर हुआ यह कि prof बोला कि मैं उसके बेटे को भी cartooning सिखा दूँ [:P]



Sirish Agrawal (RP)
1st yr में एक प्रोफ़ेसर की क्लास में छात्र अक्सर सीटी बजाया करते थे। प्रोफ़ेसर ने एक M.Tech spy छोड़ दिया जिससे मैं पकड़ा गया। Prof ने धमकाया कि अब अगर क्लास में किसी ने भी सीटी बजायी तो मुझपर DC बैठाई जायेगी। मैंने mess में ये बात सबको बता दी और फिर कुछ दिन सबकुछ ठीक चला। लेकिन अंतिम क्लास में मेरी कलम के ढक्कन पर अटके बाल को फूँक कर उड़ाने के चक्कर में ज़ोर से सीटी बज गयी। मेरी तो जान ही निकल गयी थी लेकिन बात किसी तरह टल गयी।



Sarbesh Singh (LLR)
जब हमने spectra, IIT Kharagpur की fine arts society का संस्थापन किया और MMM hall में रंगोली पर कार्यशाला करवाईजब हमारे हॉल ने 10 वर्षों के बाद Basketball के semis में पहुँचे।
जब मैंने डॉ क्लास वॉन क्लिट्ज़िंग के साथ तस्वीर खिंचवाई।

Vivek Goyal aka Baddy da (Patel)
मेरा सबसे यादगार पल Kgp में मेरे 2nd yr में आया था जब Patel और RK के बीच में sports GC के लिए काटे की टक्कर चल रही थी और सब कुछ baddy semis और TT finals से तय होना था। पहले तो हमने baddy semis जीता और उसके बाद TT में हमने RK को 3-2 से हराकर GC जीती। उस समय सभी उत्साह और आनंद के शिखर पे थे। Kgp से जाने के बाद मैं सबसे ज़्यादा अपने दोस्तों को मिस करूँगा। अपनी wing मे भाट मारना, क्रिकेट खेलना और मस्ती करना, इन सब की बहुत याद आयेगी। मैं अपनी baddy टीम को बहुत मिस करूँगा क्योंकि उनके साथ भी मैंने बहुत वक्त गुज़ारा है और सबसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है...



Vishwadeepak aka VD bhai urf “tanha kavi” (RK)
और देखते-देखते ये चार साल भी बीत गए। कुछ ही दिन बचे हैं जब खड़गपुर केवल यादों में ही रह जाएगा। जब यहाँ आया था तो कुछ भी नहीं था पर मैं निकलते निकलते एक इंजीनियर और एक कवि (कच्चा सा ही) हो चुका होऊँगा। “बता कोई यादगार पल”, जो 'तन्हा' पुछते हो तुम, कि देखो सब बनी साँसें, उन्हें बाँटे कोई कैसे ?

Amod Jain aka amd, jain g*y (Patel)
वो मेस का five star मेनू...वो power cut होने पर wingies से भाट मारना...क्लास में आखें खुली रखकर सोना...wing cricket में interIITs को हराना...वो orkut के दिन...वो aoe और movies की रातें...वो exams की सुबह...वो चींटियों से भरा बिस्तर...वो गरमियाँ जिनमें सोना मतलब पसीने से नहाना...वो 1sr yr का डर...वो final yr की मौज...ये वो कुछ यादें हैं जो बातों में बार-बार अपनी झलक दिखाया करेंगी...



Indira (SN)
एक बार भावना को रूम पर लॉक कर दिया था और सोचा कि बाहर से चिढ़ाएँगे। पर खिड़की खुलवाने में उसका शीशा टूट गया :P



Suma (SN)
यहाँ की आज़ादी। कोई रोकने टोकने वाला नहीं है। देर रात तक जगो और सुबह क्लास मत जाओ। ऐसा जॉब में जाकर कहाँ मिलेगा।

Aasha (SN)
अपने डिपार्टमेंट को मिस करूँगी। एक बार Dep mates के साथ फ़ील्ड ट्रिप पर झरिया गए थे, वहाँ उनके साथ बच्चों वाले खेल खेले थे, जैसे lock and key। वो लम्हें मुझे हमेशा याद रहेंगे।

Bhavani
मैं सबसे ज्यादा दोस्तों और छेदीज़ मिस करूँगी।



सच कहूँ तो आँखें नम है

खिड़की दरवाज़ों पर पड़े इसकी यादों के जाले संग लिए गलियारे में आते जाते दिन के उजाले का रंग लिए टैरेस के पीपल नीचे जगो सपनों के निराले ढंग लिए कई सौ साँसों में सालों इसने जो पाले वो उमंग लिए चल दिया दूर	मैं बदस्तूर क्या कहूँ मैं अब इस दिल ने संजोये कई सारे ही गम है सच कहूँ तो आँखें नम है सच कहूँ तो आँखें नम है बेलाग दिया जो हमको हँसी खुशी के उन खातों को फूलों की बू सी कोमल दरों दीवारों की रूनझून	बातों को बेबात युद्ध फिर संधि ऐसे अनगढ़े खून के नातों को कर याद रोउं इन्हे कहाँ खोउं क्या कहूँ मैं रेशम से वो पल ही नई राह में मेरे हमदम है सच कहूँ तो आँखें नम है विश्व दीपक RK Halll
--	---	--

अगर हम साल भर के soc-cult activities पर नज़र डालें तो यह वर्ष भी विगत वर्षों की भाँति काफी व्यस्त रहा। साथ ही इस वर्ष कुछ परिवर्तन भी देखने को मिलें। गत वर्षों के इन्टर हॉल soc-cult event के schedule में अतिव्यस्तता के मद्देनज़र इस वर्ष सभी हॉल के समन्वय से पॉइंट सिस्टम में बदलाव का निर्णय लिया गया। इसके तहत कुछ events को इन्टर हॉल श्रेणी से हटा दिया गया जिनमें creative writing, JAM, debate (hindi,bengali), अन्ताक्षरी एवं पेंटिंग शामिल हैं।

लेकिन इन प्रयासों के बावजूद दूसरे semester का schedule व्यस्त ही रहा जिसका मुख्य कारण था सभी group events का इसी semester में आयोजन। शायद यही कारण रहा कि अंकों के हिसाब से नेहरू हॉल को GC निर्धारित होने के उपरांत सभी हॉलों ने बचे हुए events में कोई रुचि नहीं दिखाई जिससे हिन्दी drams का आयोजन रद्द हो गया। Western groups और WTGW के आयोजन की संभावना क्षीण होने लगी थी लेकिन passout हो रहे कुछ छात्रों के प्रयासों ने इन events को टलने से रोक लिया।

Eastern group में संस्थान से किसी judge के उपलब्ध नहीं होने की दशा में बाहर से judges को आमंत्रित किया गया। भविष्य में ऐसी समस्या से बचने के लिए संस्थान के प्रोफेसरों तथा उनके संबंधियों के रुचि के अनुरूप एक डाटाबेस तैयार करने की योजना पर विचार चल रहा है। हम आशा करते हैं कि आने वाले सत्र में इस विचार को मूर्त रूप दे दिया जायेगा।

Soc-cult GC में इस बार भी नेहरू हॉल ने अपना झंडा गाड़ा। 737.5 अंकों के साथ नेहरू हॉल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जो कि पिछले वर्ष भी 937.5 प्वांट्स के साथ ही प्रथम स्थान पर था। इस बार SN Hall ने 535 अंकों के साथ और पटेल हॉल ने 400 अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

Soc-cult societies पर यदि नजर डालें तो BTDS द्वारा इस वर्ष तीन आयोजन कराना काफी सराहनीय रहा। ETDS और HTDS से भी भविष्य में इतनी ही सक्रियता की उम्मीद की जा रही है। जहाँ BTDS के annual production चंद्रगुप्त की काफी सराहना हुई वहीं साथ में कोलकाता के 'सुजाता सदन' में ब्रत्य बसु के नाटक 'बबली' का मंचन कर BTDS ने कैम्पस के बाहर भी काफी नाम कमाया।

अगर वर्ष भर के Tech GC के कार्यक्रमों की समीक्षा की जाए तो इस वर्ष एक ओर जहाँ आज़ाद इसे अपनी झोली में डालने में कामयाब रहा है वहीं पिछले वर्ष के विजेता नेहरू को तृतीय स्थान से ही संतोष करना पड़ा। इस वर्ष आज़ाद हॉल ने प्रथम, R.P. ने द्वितीय तथा नेहरू और R.K. ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस वर्ष नियम पुस्तिका में मौजूद खामियों को दूर करने का प्रयास किया गया। इन नियमों के अनुसार अब प्रतियोगी बनेबनाये किसी भी प्रकार के video या उसके किसी हिस्से का उपयोग एडिज़ाइन प्रतियोगिता में नहीं कर पायेंगे। Hardware में अब computer और multiple exhibits robots का उपयोग भी वर्जित कर दिया गया है।

इस वर्ष नियमावली में तीन कप Knowledge cup, Application cup, Innovation cup देने का प्रावधान किया गया था पर संविधान में इस विषय पर उल्लेख न होने के कारण ये कप नहीं दिये गये। संभावना है कि ये अगले वर्ष दिये जाएँगे।

इस वर्ष तो जैसे Tech GC के events पर मुसीबतों का पहाड़ ही टूट पड़ा था। Tech GC से संबंधित विवादों का उल्लेख इस प्रकार है

- Maths Olympiad में slot list खो जाने के कारण हुई परेशानी का समाधान प्रतियोगियों के हस्ताक्षरों की तुलना उत्तर पुस्तिका में किए गए हस्ताक्षरों से कराकर की गई और डेढ़ महीने बाद इसका परिणाम आ पाया।
- Maths Olympiad में नेहरू छात्रावास ने एक प्रश्न को दो बार हल किया। Prof. Somesh Kumar ने उनके पहले प्रयास को मूल्यांकित किया। इससे असंतुष्ट होने पर तथा संबंधित नियमावली में कुछ अंकित न होने के कारण नेहरू छात्रावास ने IISc. के M.O.Cell से संपर्क स्थापित किया, जिनसे सर्वोत्तम उत्तर के जाँच किए जाने का पता चला। नेहरू छात्रावास ने उत्तर पुस्तिका को पुनः जाँच किए जाने का आग्रह किया पर इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसका खामियाज़ा छात्रावास को GC में बहुमूल्य अंक खो कर करना पड़ा।
- GATE exam और quizmaster की अनुपलब्धता के कारण दोनों quizzes काफी विलम्ब से हुए। नियम पुस्तिका में समुचित और स्पष्ट रूप से अंकित न होने के कारण judges ने biz quiz को infinite bounds के बिना करवाना ज़्यादा उचित समझा। Biz Quiz में R.P. और MMM के संयुक्त रूप से तीसरा स्थान पाये जाने पर G.Sec ने quizmaster से tie-break कराने कि गुज़ारिश की। Tie-breaker के पश्चात MMM को तृतीय स्थान मिला। R.P. ने इस बात पर आपत्ति जताई क्योंकि नियमावली में tie-breaker के बारे में कुछ उल्लेख नहीं है। R.P. की आपत्ति खारिज कर दी गई और परिणाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।
- इस वर्ष Case Study प्रतियोगिता में भी काफी दिक्कतें आयीं। Case study के लिए सितम्बर माह के अंतिम सप्ताह में प्रश्नावली IIM के प्रो. प्रफुल्ल अग्निहोत्री ने दी। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में प्रोफेसर को उत्तर पुस्तिकाओं की soft copies मूल्यांकन के लिए भेजी गईं। 18 जनवरी तक ना तो प्रतियोगियों का presentation कराया गया ना ही 2 मार्च तक इस संबंध में कोई मीटिंग रखी

इस बार HTDS ने सत्र के शुरूआत में fresher production के अंतर्गत 'जादू का कालीन' का मंचन किया जिसे कई पूर्व सदस्यों ने पिछले कई वर्षों का सबसे अच्छा fresher production कहा। इसके अलावा HTDS की दो अलगअलग टीमों का IIM कोलकाता के उत्सव कार्पेडियम में नुक्कड़ के दो इवेंट्स में स्वर्ण पदक जीतना काफी सराहनीय रहा। साथ ही HTDS की टीम ने SF में रंगमंच में प्रथम स्थान तथा नुक्कड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस वर्ष ETDS ने fresher production के तहत अगाथा क्रिस्टी के नाटक 'मर्डर ऑन द ओरिएंट एक्सप्रेस' तथा annual production में गिरिश कर्नाड़ के नाटक 'ययाति' का मंचन किया जो काफी प्रभावशाली और सराहनीय रहा। साथ ही ETDS की टीम ने कार्पेडियम (IIM कोलकाता) में रजत पदक तथा SF में नुक्कड़ में स्वर्ण पदक जीता।

अगर music societies के कार्यक्रमों पर नज़र डाले तो उनका प्रदर्शन इस वर्ष भी प्रशंसनीय रहा। साथ ही इस बार इन्होंने departments fest में भी सराहनीय योगदान दिया। KGP में पहली बार spectra नामक एक fine arts society का संस्थापन हुआ और इस society की अगले वर्ष तक जिमखाना से जुड़ने की उम्मीद है।

इस वर्ष के SF की बात की जाए तो बारिश ने SF की उमंग में काफी खलल डाला जिसकी वजह से कई कार्यक्रमों का आयोजन फीका पड़ गया। हालाँकि भीमती बारिश में भी स्टार नाइट में काफी भीड़ उमड़ी। सबके आशाओं के विपरीत हास्य कवि सम्मेलन काफी सफल रहा और सभी ने इस कार्यक्रम की जमकर प्रशंसा की। इस वर्ष SF का बजट पिछले बार की तुलना में करीब डेढ़ गुना बढ़ा जिसकी वजह से कई चीज़ें पहली बार हुईं। इस वर्ष पहली बार SF में किसी अंतरराष्ट्रीय बैंड ने कार्यक्रम किया। पहली स्टार नाइट में यूनाइटेड किंगडम के बैंड 'ब्रीद' ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस बार से SF टीम ने राज्यों की लोककलाओं का भी प्रदर्शन आयोजित करने की योजना बनायी जिसके तहत इस वर्ष केरल की लोककला 'कलारिपयट्टू' का प्रदर्शन हुआ जिसकी सराहना सभी दर्शकों ने की। इसके अलावा पहली बार SF में किसी बाहर के थिएटर ग्रुप ने प्रदर्शन दिया। कोलकाता के 'एवम' ग्रुप ने नाटक 'हेमलेट द स्पूर्फ' का मंचन किया जो काफी सफल रहा। इसके साथ ही इस वर्ष पहली बार ऑनलाइन इवेंट्स और पेंटबॉल भी आयोजित हुए।

गयी। 23 मार्च को judge से उत्तर पुस्तिकाओं के लुप्त होने की सूचना मिली जिस पर बाकी हॉल ने निर्णय न कर पाने में असमर्थता दर्शाने वाले पत्र की माँग की जिसे प्रो. अग्निहोत्री ने देने से मना कर दिया। इस समस्या का कोई समाधान न हो पाने के कारण प्रतियोगियों से 24 घंटे के अंदर दुबारा हल जमा करने को कहा गया जिसका मूल्यांकन प्रोगैतम सिन्हा ने किया।

- Open Hardware में RP Hall ने एक ओर जहाँ presentation के दौरान अपने Hall का नाम बताकर नियमावली का उल्लंघन किया वहीं दूसरी ओर उनके multiple exhibit वाले robot को judges ने यह बताकर स्वीकार कर लिया कि multiple exhibit के योग्य न होने के नियम के बारे में उन्हें पहले से अवगत नहीं कराया गया था। G.Sec की नियमों को लेकर आपारदर्शिता को लेकर बाकी halls ने भारी विरोध प्रकट किया इसका परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

इस वर्ष 1st year hall MMM ने tech GC में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए biz quiz और chemical innovation में तीसरे और mathematics olympiad में चतुर्थ स्थान अर्जित कर senior halls को कड़ी टक्कर दी।

उपर्युक्त विवादों पर 6 standing appeals की गई पर सारी appeals एकएक करके खारिज़ कर दी गयीं और points में कोई फेरबदल नहीं हुआ। Tech G.Sec के कंधों पर Kshitij और GC के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए तीनों cups में एकएक संबंधित secretary की माँग की गयी है और उम्मीद की जा रही है कि आने वाले वर्षों में Tech GC को अच्छे ढंग से आयोजित कराया जा सकेगा।

इस वष Kshitij में प्रतियोगियों की संख्या 2300 और Prize money 10 लाख थी। Kshitij के विशेष आकर्षण में Overnite , तीन अंतरराष्ट्रीय displays (USA, Japan, Netherlands), Fair Isaac Maths Olympiad आदि थे। Eureka में 18 अंतरराष्ट्रीय Paper प्रस्तुत हुए थे

जिसमें केरल के 12वीं कक्षा के Pranesh Kumar को प्रथम पुरस्कार मिला। Pranesh को MIT से स्नातक डिग्री के लिए निमंत्रित किया गया। इस वर्ष Dr.Eric Drexler, Lawrence Krauss, Dilip Chhabria, Jimmy Wales ने आमंत्रण स्वीकार कर Kshitij को अनुग्रहित किया।

Technology Robotics Society (TRS) ने इस वर्ष नए आयामों को छुआ। इस वर्ष 10 दिनों की robotics workshop दो बार आयोजित की गयी। इसके बदौलत Freshers IP (Image Processing) Robot बनाने में कामयाब रहे। Kshitij में लगभग 1000 टीम और 2500 प्रतियोगियों ने भाग लिया और 11 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भाग लिया। TRS के लिए Vikramshila के basement में एक प्रयोगशाला की स्थापना भी की गई।

Quiz Club ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए MNIT Allahabad में प्रथम , NIT Durgapur में द्वितीय और ISI Kolkata (quizmaster Harsha Bhogle) में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जहाँ एक ओर Tech GC विवादों से घिरी रही वहीं दूसरी ओर Kshitij, TRS और Quiz Club ने नए आयामों को छूआ।

पिछले अंक में हमने IIT Kgp के एक समाज सेवी संगठन 'संभव' के प्रयासों को आप सब के सम्मुख रखा था। इस अंक में भी हम IIT Kgp से जुड़े ऐसे ही दो संगठनों पर अपनी यह विशेष रिपोर्ट अपने पाठकों के सम्मुख पस्तुत कर रहे हैं।

Gopali Youth Welfare Socity(GYWS)



GYWS एक स्वार्थहीन गैर सरकारी संगठन (NGO) है जिसका उद्भव सन् 2002 में हुआ तथा इसको सरकारी मान्यता सन् 2004 में प्राप्त हुई। इस संगठन को नेहरू युवा केंद्र संगठन (Ministry of Youth Affairs and Sports, Govt. of India) तथा STEP IIT से मान्यता प्राप्त है। इस संगठन का लक्ष्य खड़गपुर में रहने वाले निवासियों का जीवन स्तर सुधारना है तथा साथ ही साथ इनका मिशन है जनता को उनकी समस्याओं के बारे में जागरूक करना तथा उन समस्याओं का समाधान निकालना। वर्तमान में इस संगठन को कुल 50 स्थानीय सदस्यों का सहयोग प्राप्त है तथा संगठन का सारा कार्यभार IIT Kgp के ही 15 छात्र संभालते हैं।

GYWS ने अपने उद्गम के बाद कई क्षेत्रों में सुधार लाने का कार्य किया। GYWS द्वारा संपन्न

- 1
- शिक्षा संबंधी
- ♦ स्वयंसेवी प्राथमिक तथा पूर्व प्राथमिक शैक्षणिक केंद्रों का गठन।
 - ♦ गरीब छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराना।
- 2
- स्वयं सेवी समूहों का प्रशिक्षण
- ♦ Food Processing प्रशिक्षण (Agri Dept. के सहयोग से)।
 - ♦ Vermicompost प्रशिक्षण (STEP IIT के सहयोग से)।
 - ♦ Tailoring प्रशिक्षण।
- 3
- स्वास्थ्य जागरूकता
- ♦ नेत्र जाँच शिविर।
 - ♦ स्वास्थ्य जाँच शिविर।
 - ♦ Hepatitis B टीकाकरण शिविर।
 - ♦ HIV-AIDS तथा Tuberculosis से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का संचालन।
 - ♦ परिवार नियोजन तथा तंबाकू विरोधी अभियान।
 - ♦ रक्तदान शिविर।
- 4
- अन्य गतिविधियाँ
- ♦ युवा विकास कार्यक्रम।
 - ♦ कृषि जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम।
 - ♦ योगा तथा Naturotherapy से संबंधित कार्यक्रम।
 - ♦ आपदा प्रबंधन कार्यक्रम।

कुछ प्रमुख कार्यों का चित्रण इस प्रकार है -

GYWS हाल में ही अपने प्रेरक शिक्षालय परियोजना के कारण काफी चर्चा में आया है। GYWS 150 छात्रों की प्रारंभिक क्षमता वाले अंग्रेजी माध्यम के प्राथमिक विद्यालय 'जागृति विद्या मंदिर' को प्रारंभ करने जा रहा है। यह विद्यालय गोपाली खड़गपुर में स्थित होगा। इस परियोजना के अंतर्गत छात्रों से शुरुआत में न्यूनतम informal token amount लेकर उन्हें quality education प्रदान की जाएगी। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य नई पीढ़ी को साक्षर (literate) बनाना है नाकि शिक्षित (educated) बनाना।

GYWS को अपने कार्यों को संपूर्ण करने के लिए अस्थायी आर्थिक स्रोतों का सहारा लेना पड़ता है। स्थायी आर्थिक स्रोत के आभाव में इस संगठन को कई ज़रूरतमंदों को अपनी सेवाओं से वंचित करना पड़ता है। अतः GYWS द्वारा किये गए कार्यों का प्रभाव सीमित रह जाता है। हमारी पाठकों से यह अपील है कि वे इस समाज सेवा के पुण्य कार्य में आगे आकर का हर संभव रूप में GYWS सहयोग करें।

श्रद्धा

"Restorig Faith", कुछ ऐसे ही सोच के साथ छात्रों ने 'श्रद्धा' नामक समाज न संगठन की अक्टूबर 2007 में स्थापना की। VGSOM के 2nd yr रवि सेठ शब्दों में कहा जाए तो 'हमने अपने पूरी साधना के साथ इस संगठन में क करने का निश्चय किया था और हमने ऐसा ही कुछ कर भी दिखाया है।'।

'श्रद्धा' को स्वरूप में आए हालांकि छह महीने ही हुए हैं परंतु इस संगठन इतने कम समय में ही प्रशांसनीय कार्य कर दिखाया है। 'श्रद्धा' द्वारा अभी

MMM में रक्तदान शिविर का आयोजन

2 अक्टूबर 2007 को गाँधी जयंती के अवसर पर VGSOM के छात्रों ने MMM में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। Director, Deputy Director, Dean(Student Affairs) और Registrar ने स्वयं उपस्थित होकर छात्रों की सराहना की। इस शिविर कि सफलता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि रक्तदान करने वाले छात्रों तथा faculty members की संख्या अनुमानित संख्या से कहीं अधिक निकली तथा इस कारणवश शिविर की समय सीमा को बढ़ाना पड़ा।

Disha Seema Centre School(DSCS) के छात्रों को आर्थिक मदद प्रदान करना

Disha Seema Centre School को सन् 1993 में गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए IIT Kgp के ही कुछ alumni द्वारा स्थापित किया गया था। 'श्रद्धा' ने VGSOM के 08-09 बैच से कुल 17000 की राशि का प्रबंध किया तथा इससे साधारण T-Shirts तथा उन्हें रंग करने के लिए मूलभूत वस्तुओं की व्यवस्था की। DSCS के छात्रों ने इन T-Shirts पर हस्त चित्रकारी की तथा 'श्रद्धा' ने इन T-Shirts की बिक्री करके 52000 की राशि का प्रबंध किया। इसमें से DSCS को 41500 कि राशि का दान कर 11500 की राशि को भविष्य के लिए सुरक्षित रख दिया गया।

किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है

'श्रद्धा' आने वाले समय में कोलकाता के एक वृद्धाश्रम में जाकर अभी तक एकत्रित राशि को वहाँ पर दान करने के विषय में सोच रही है। निश्चित ही VSOM के छात्रों द्वारा उठाए गए ये कदम सराहनीय हैं तथा हम सबको भी दूसरों के लिए कुछ करने की प्रेरणा देते हैं।



VGSOM के छात्र Disha Seema Centre School के बच्चों के साथ

वर्ष 2007-2008 की स्पोर्ट्स जनरल चैम्पियनशिप का फैसला हो चुका है। इस वर्ष पटेल हॉल ने 76 अंक के साथ GC में प्रथम रहकर खेल कूद में अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया है। वहीं R.P. भी 46 अंक बटोर के दूसरे स्थान पर काबिज़ हुआ। पिछले वर्ष के विजेता नेहरू और उपविजेता R.K. ने जनता को निराश किया और खेल कूद में अपनी साख खो दी। मदन मोहन मालवीय हॉल का प्रदर्शन सराहनीय रहा। 1st इयर हॉल होने के बावजूद बैडमिन्टन तैराकी आदि में स्वर्ण जीत कर MMM ने सभी सीनियर हॉल को अच्छी टक्कर दी है।

इस वर्ष kgp के क्षितिज़ पर कई नई प्रतिभाओं का उदय हुआ। साल के शुरुआत में ही चिराग फ़ियालोक ने MMM को अकेले तैराकी में स्वर्ण दिला दिया। उधर अंगम पराशर और अभिजीत खन्ना ने बैडमिंटन के अच्छे भविष्य के संकेत दिए। नीलाकाश दास ने lawn tennis में सीनियरों के छक्के छुड़ाए तो देबाशीष शर्मा एथलेटिक्स में छा गए। इनके अलावा के सुशील ओराव(फुटबाल), सुपर्नो घोष(chess) और अनुभा गर्ग (aquatics) ने भी अच्छा प्रदर्शन कर kgp को आनेवाले समय में शीर्ष पर पहुँचाने के संकेत दिए।

विवादों के मामले में यह साल काफी सुखद रहा। कुछ गिने चुने विवादों को छोड़ यह वर्ष विवाद रहित ही रहा। एक तरफ जहाँ आज़ाद हॉल के मैच में हुई हाथापायी के बाद लगभग पूरा वाटर पोलो इंटर हाल खाली स्विमिंग पूल में हुआ तो

एथलेटिक्स में video footage उतार छात्रों ने रेफरी के निर्णय को चुनौती दी। क्रिकेट में RP और LLR में से लीग कौन qualify करेगा , इस बात पर नियम की उपयुक्त जानकारी न होने से काफी अफवाहें फैली और कहासुनी हुई।

इस साल कुछ नई शुरुआत भी हुई। इसमें सबसे काबिल-ए-तारीफ रहा girls GC की शुरुआत। IG,SN,MT,RLB और MBM की टीमों के साथ यह लड़कियों को खेल के मैदान तक खींचने में सफल रही। बिलयर्ड्स क्लब के आरंभ के लिए भी यह साल आने वाले कुछ वर्षों तक याद किया जाएगा। रीबोक कंपनी के साथ हुए track-suits की डील को भी काफी सराहा गया। हालाँकि इसमें आई transportation की अतिरिक्त लागत से कुछ लोग नाखुश दिखे।

इस वर्ष सभी खेलों में छात्रों ने बढ़चढ़कर कर हिस्सा लिया। बैडमिन्टन में 13, बार्स्केटबाल 11, में वालीबाल में 15, क्रिकेट में 14 टीमों आयीं। इस वर्ष kgp की टीमों ने बाहर के टूर्नामेंट्स में भी भाग लिया जो एक सराहनीय प्रयास है। इस बार inter college बैडमिंटन टूर्नामेंट में जो कि सम्बलपुर में आयोजित हुआ था, वहाँ अपनी टीम ने स्वर्ण पदक जीता। साथ ही इस बार kgp में inter university cricket tournament का भी आयोजन हुआ। ये आँकड़े इस बात के सूचक हैं कि आने वाले समय में kgp में फ़ैली खेल संस्कृति असीम बुलंदियाँ प्राप्त करने वाला है। आने वाले वर्षों में sports GC के और अधिक सफल होने की संभावना है और आशा की जा सकती है कि अगली inter-iit GC हमारी ही होगी।

sportsabolife

जिमखाना में बिलियर्ड्स रूम :

25 मार्च को जिमखाना में बिलियर्ड्स रूम का उद्घाटन हुआ। इसमें अबतक 48 लोग रजिस्टर हो चुके हैं और ज्यादा से ज्यादा 72 लोगों को सदस्यता मिल सकती है। इसके Slots इस प्रकार हैं- शनिवार एवं रविवार को 9 pm-1 pm और 3pm-9pm एवं बाकी दिन 5pm-9pm। इस सेमेस्टर में रजिस्ट्रेशन की फीस है 100 रुपये जिसके अगले सेमेस्टर में ही बढ़ने की उम्मीद है। इस क्लब की स्थापना से भविष्य में बिलियर्ड्स में open IIT की उम्मीद की जा सकती है।

First years के Hall allotment कार्यक्रम में बदलाव की सम्भावना :

इस बार HMC ने first years के hall विभाजन कार्यक्रम में कई बदलाव किये जाने का प्रस्ताव रखा है। जिनमें MS को सीनियर हॉल बनाने का प्रस्ताव है। एक प्रस्ताव यह भी है कि वर्तमान first years में से आधे को आने वाले first years में से कुछ के साथ MMM में एवं बचे हुए वर्तमान एवं आने वाले first years को सीनियर हॉल में भेज दिया जाएगा।

जिमखाना संविधान में संशोधन की संभावना :

VP कुनाल कश्यप की पहल पर जिमखाना संविधान संशोधन का प्रस्ताव student forum के समक्ष रखा गया। संविधान के प्रस्ताव के लिए एक समिति गठित की गयी है जिसके सदस्य हैं कुनाल कश्यप, शुबो बैनर्जी, सुमा देवी एवं राजेन्द्र। समिति की 3 अप्रैल को हुई बैठक में कई प्रस्ताव पास हुए। सबसे महत्वपूर्ण कार्य है sub committee के सचिव पद का उन्मूलन, Web subcom एवं Photography के सचिवों का एकीकरण। चार नये सचिव पदों : सचिव Application events subcom, सचिव Innovation events subcom, सचिव Knowledge events subcom एवं सचिव Technology events subcom का निर्माण प्रस्तावित है। क्षितिज एवं SF में league एवं Scom की संख्या भी

VGSOM के प्लेसमेंट कार्यक्रम Vantage 2008 की सफलता :

VGSOM के प्लेसमेंट कार्यक्रम Vantage 2008 ने नये मापदंड बताते हुए मैनेजमेंट में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। इस वर्ष 121 छात्रों के बीच को प्रतिष्ठित कंपनियों से कुल 160 ऑफर आ चुके हैं। छात्रों का औसत वेतन 30% वृद्धि के 11.44 लाख प्रतिवर्ष और अधिकतम पैकेज 18 लाख प्रतिवर्ष रहा। अधिकतम अन्तर्राष्ट्रीय वेतन 70000 अमेरिकी डॉलर रहा। Vantage 2008 की इस सफलता से IIT KGP के अंडरग्रेजुएट छात्रों को VGSOM से MBA करने का प्रोत्साहन मिलेगा जिसकी संख्या अभी काफी कम रहती है।

Composite एवं Genesis के साथ Department fests का समापन :

Metallurgy विभाग का फेस्ट composite 29 से 31 मार्च तक हुआ। इसमें करीब 30 कॉलेजों ने हिस्सा लिया था जहाँ से करीब 70 छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। टाटा स्टील एवं GE के सहयोग से इसका बजट 2 लाख रुपये था। फेस्ट को काफी सफलता मिली और ये छात्रों के लिए अपने विभाग को करीब से जानने के लिए सुनहरा अवसर साबित हुआ।

Boitechnology विभाग का प्रथम फेस्ट Genesis 4-5 अप्रैल को सम्पन्न हुआ। कई कालेजों से लगभग 110 छात्र इस फेस्ट का हिस्सा बनें। इस फेस्ट का बजट करीब 3 लाख रुपया रहा। हालांकि Indac08 के एक ही समय होने के कारण इस फेस्ट का आयोजन विक्रमशिला में नहीं कराकर Main building में कराया गया था परन्तु यह काफी सफल रहा तथा इसमें छात्रों को Bioindustries के बारे में जानने का अच्छा अवसर प्राप्त हुआ।

IIT KGP के 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' के चेयरमैन : टाटा स्टील के MD श्री बी मुथुरमन

टाटा स्टील के MD श्री बी मुथुरमन को IIT KGP के 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले इस बोर्ड के सगस्य रह चुके हैं। यह पद उन्हें तीन वर्षों की अवधि के लिए दिया गया है। उन्होंने इस पद को स्वीकार करते हुए अपनी ओर से IIT KGP को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। वे इसके पहले कई सम्मान जनक पदों पर मनोनित हो चुके हैं।

wikiaIIT KGP की नई wikipedia Wikia :

अब IIT KGP की अभिव्यक्ति का एक और माध्यम मिल गया है, Wikia profile के रूप में। IIT Kgp के wikia page का URL है iitkgp.wikia.com। इसपर पहले ही IIT KGP से सम्बंधित काफी जानकारी डाली जा चुकी है और users के द्वारा योगदान जारी है। लेकिन कई अहम मुद्दों पर अभी तक कोई जानकारी नहीं जोड़ी गए है, जैसे कई halls के पेज अब तक बनाए ही नहीं गये। इसलिए यह ज़रूरी हो गया है कि इस माध्यम को सफल बनाने के लिए इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग योगदान करें।

Texas Instrumental एवं SMST की पहल:

पिछले दिनों Texas Instrumental(TI) ने IIT KGP के SMST के साथ मिलकर

स्वास्थ्य संबंधी तकनीकें विकसित करने लिये एक शोध कार्यक्रम शुरू किया है। TI India के MD श्री बिस्वदीप मित्रा जो कि IIT KGP के सफलतम alumni में से एक हैं ने इंजीनियरिंग की शिक्षा के प्रति TI की प्रतिबद्धता बताते हुए बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम से काफी उम्मीदें हैं।

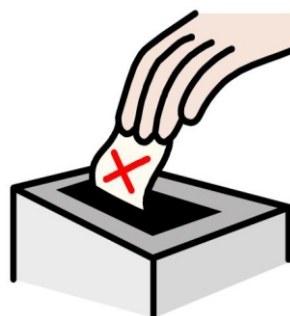
SMST के हेड प्रौ. अजय कुमार रॉय ने बताया कि IIT KGP का आधुनिक तकनीक केन्द्र सिलिकॉन बेस्ड माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स पर शोध करने में सक्षम है। इसके शोध कार्यक्रम में कई अंडरग्रेजुएट छात्रों को भी काम करने का मौका मिलेगा।

Learning Groups

... the classroom++

एक अनोखी पहल: Intinno अर्थात Intelligent & Innovative

Intinno अर्थात Intelligent & Innovative CSE dep के चार मेधावी छात्रों द्वारा बनायी गयी website है। इसका लक्ष्य कक्षा के अनुभवों को कक्षा की सीमाओं से बाहर लाकर Internet पर प्रचारित करना है। इस समय इसका अल्फा version launch किया गया है, जिसका इस्तेमाल प्रथम वर्षियों की PDS lab में किया जा रहा है। सिर्फ PDS lab ही नहीं और भी कई विभिन्न क्षेत्रों में इसका प्रयोग किया जा रहा है।

Hall elections रिजल्ट :

RK

Hall president : मनीष कुमार

SSM: धर्मेन्द्र मीना

RP:

Hall president : प्रशान्त रजोड़ा

SSM: मनीष कुमार औराओं

LLR:

Hall president : सौरभ भारी

SSM: अजीत कुमार खाब्या

Azad:

Hall president : सुशील तिवारी

SSM: नीरज कुमार सिंह

Patel:

Hall president : मुकेश कुमार सिंह

SSM: (परिणाम प्रतिक्षित)

Nehru:

Hall president : सौरभ दत्ता

SSM: निखील रंजन

SN: (परिणाम प्रतिक्षित)